एक नजर में शिक्षा और साक्षरता वर्ष 2001 में पुरुष साक्षरता दर 60.3 प्रतिशत थी और महिला साक्षरता 33.6 प्रतिशत। इनके बीच 26.7 प्रतिशत का अंतर था। वर्ष 2011 में पुरुष साक्षरता दर 73.4 प्रतिशत और महिला साक्षरता दर 53.3 प्रतिशत हो गयी। लैंगिक विषमता घटकर 20.1 प्रतिशत हो गयी। वर्ष 2002-03 से 2009-10 के बीच प्रारंभिक कक्षाओं में नामांकन 8.2 प्रतिशत वार्षिक की दर से बढ़ा। 2002-3 से 2009-10 के बीच उच्च प्राथमिक कक्षाओं में नामांकन 22.1 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। उच्च शिक्षा के मामले में अनुसूचित जाति के बच्चों का नामांकन 22.1 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है जो सामान्य तबके की अपेक्षा अधिक है। छात्राओं के नामांकन की गति ने तेजी पकड़ रखी है। उच्च प्राथमिक कक्षाओं में छात्रों का नामांकन 17.9 प्रतिशत वार्षिक की दर से बढ़ रहा है जबकि छात्राओं के नामांकन में 23.7 प्रतिशत की वार्षिक बढ़ोतरी दर्ज हो रही है। प्राथमिक स्तर पर छीजन की दर 2001-02 में 61.6 प्रतिशत के उच्च स्तर पर थी 2009-10 में घटकर 42.5 प्रतिशत पर पहुंच गयी। उच्च प्राथमिक स्तर पर कुल छीजन दर 2001-02 में 74.8 प्रतिशत के उच्च स्तर पर थी जो 2009-10 में घटकर 58.8 प्रतिशत पर रह गयी।

निजता नीति | सेवा की शर्तें | आपके सुझाव
इस पृष्ठ की सामग्री जागरण प्रकाशन लिमिटेड द्वारा प्रदान की गई है
कॉपीराइट © 2007 याहू वेब सर्विसेज़ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड सर्वाधिकार सुरक्षित
कॉपीराइट / IP नीति